हम संख्या सम्बन्धित समंकों के विशाल ढेर का अध्ययन करना और उनमें से सरल तथ्य निकालना चाहते हैं।"

उपरोक्त परिभाषाओं की सामान्य विशेषताएँ अथवा दोष

(i) इन लोगों के अनुसार सांख्यिकी को केवल राज्य विज्ञान के रूप में या मानवीय क्रियाओं तक ही सीमित किया गया है। (ii) इन परिभाषाओं में सांख्यिकीय रीतियों पर बहुत कम बल दिया गया है जैसे गणना, माध्य, इत्यादि का ही उल्लेख किया गया है। वास्तविकता तो यह है कि आज के युग में सांख्यिकी जैसे विज्ञान को केवल माध्यों तक ही सीमित रखना सम्भवतः उसका गला घोंटने के समतुल्य होगा। (iii) सांख्यिकी के क्षेत्र को अत्यन्त सीमित कर दिया गया है।

आधुनिक मत (विस्तृत दृष्टिकोण) वाली परिभाषायें:- इस वर्ग के अन्तर्गत वे परिभाषायें वर्गीकृत की जाती हैं जिनमें सांख्यिकी विज्ञान को एक विस्तृत या व्यापक रूप में स्वीकार किया गया है। ऐसी कुछ परिभाषाओं का हम नीचे अध्ययन करेंगे:-

किंग (W.I. King):- "गणना या अनुमानों के संग्रहण के विश्लेषण द्वारा प्राप्त परिणामों से सामूहिक, प्राकृतिक अथवा सामाजिक घटनाओं पर, निर्णय करने की रीति को सांख्यिकी विज्ञान कहते हैं।"

पी॰एच॰ कारमेल (P. H. Karmel):- "सांख्यिकी की विषय उन समंकों के संग्रहण, प्रस्तुतीकरण, वर्णन और विश्लेषण से सम्बन्ध रखता है, जो संख्या के रूप में मापित किये जाने योग्य हैं।"

लॉविट (Lovitt):- "सांख्यिकी वह विज्ञान है, जो संख्या सम्बन्धी तथ्यों के संग्रह, वर्गीकरण और सारणीयन से सम्बन्ध रखता है ताकि घटनाओं की व्याख्या विवरण और तुलना के लिए आधार-स्वरूप प्रयोग हो सकें।"

सैलिगमैन (Seligman):- "सांख्यिकी वह विज्ञान है जो किसी विषय पर प्रकाश डालने के उद्देश्य से संग्रह किये गये आँकड़ों के सारणीयन, वर्गीकरण, प्रदर्शन, तुलना और व्याख्या करने की रीतियों का विवेचन करता है।"